Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

आपदा प्रभावित गांवों में राशन का संकट मंडराया

मदकोट बोना तौमिक सड़क बंद होना बना चिंता का विषय

चिंता

■ग्रमीणों के लिए तैयार किया गया राशन मदकोट में फंसा

■दूरस्थ गांवों में हेलीकाप्टर सेवा बंद होने से लोगों की मुश्किलें बढ़ी

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

पिथौरागढ़। सीमांत तहसील क्षेत्र के आपदा प्रभावित क्षेत्रों के गांवों में ग्रमीणों के लिए भेजा जा रहा राशन मदकोट से आगे नही जा पा रहा है। जानकारी के मुताबिक क्षेत्र के मदकोट बोना तौमिक सड़क के बंद होने के कारण ग्रमीणों के लिए तैयार किया गया राशन मदकोट में फंसा पड़ा हुआ है।

बता दें कि ऐसे हालातों में क्षेत्र के दर्जनों आपदा प्रभावित गांवों के ग्रमीण राशन न मिल पाने के कारण परेशान हो चुके है। बधित सड़कों के चलते सीमांत में आवाजाही करने में खासी दिक्कतें होना लाज्मी नजर आ रहा है। सीमांत में सड़कों के अब तक बाधित होने के कारण सीमांत के आपदा प्रभावित गांवों के ग्रमीणों की चिंता बढ़ने लगी है।

क्षेत्र के ग्रमीणों का कहना है कि यदि क्षेत्र में जल्द सड़के अगर नही खुल पाती है तो उनके गांवों में भंयकर अन्न संकट खड़ा हो जायेगा। सीमांत में आई गत दिनों की भीषण आपदा के चलते बंद पड़े सड़क मार्गो को खोलने में देरी होना स्वावाभाविक है। वही दूरस्थ गांवों में हेलीकाप्टर सेवा बंद होने से लोगों की मुश्किलें और ज्यादा बढ़ने की स्थिति बन रही है। जगह जगह बंद पड़ी सड़कों के कारण आपदा प्रभावित क्षेत्रों में निजी माध्यम से इन गांवों में अब तक राशन न पहुंच पाने के कारण सीमांत के इन गांवों के ग्रमीणों की मुश्किलें खत्म होने का नाम नही ले रही है।

क्षेत्र के लोगों के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली का राशन मदकोट में ही फंसा रह गया है।

वही एक ओर आपदा का दंश झेल रहे पीडितों को अन्न संकट की मार झेलने को विवश होना पड रहा है। क्षेत्र के प्रभावितों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि उनके क्षेत्र की बंद पड़ी सड़कों को हर हाल में खोला जाए नही तो आपदा प्रभावित गांवों के ग्रमीणों को भूख से विलपना पड़ेगा।

न्यूज डायरी

बागेश्वर के सात हजार से अधिक घरों तक पहुंचेगा स्वच्छ पेयजल

संवाददाता बागेश्वर। जल जीवन मिशन के तहत घर को स्वच्छ पेयजल कनेक्शन दिए जाएंगे। जल निगम, जल संस्थान और स्वजल संस्थाएं मिशन को पूरा करेंगे। जिले के 116 गांवों में 7222 घरों तक पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। शनिवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी विनीत कुमार ने योजना की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक घर को स्वच्छ और पर्याप्त जल उपलब्ध कराना है। उन्होंने जल जीवन मिशन की समीक्षा की। कहा कि 2024 तक प्रत्येक घर में स्वच्छ पेयजल के कनेक्शन दिए जाने हैं। जिले में वर्षवार रूप से रणनीति बनाई गई है। वर्ष 2020–21 में 116 गांवों के 7222 घरों तक पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। एनजीओ के माध्यम से गांवों का सर्वेक्षण किया जाएगा। विलेज एक्शन प्लान, डीपीआर बनेगी। निर्धारित समय पर लक्ष्य प्राप्त किया जाएगा।

प्रतिभावान ताइक्वांडो खिलाड़ी विशाखा को विश्व ओलंपिक संघ ने किया सम्मानित

संवाददाता बागेश्वर। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ ने ताइक्वांडो खिलाड़ी विशाखा साह को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया है। उन्होंने ओलंपिक दिवस पर 23 जून को आयोजित आनलाइन प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया था। उन्हें यह प्रमाणपत्र विश्व ओलंपिक संघ के थामस वट ने भेजा है। उनकी उपलब्धि पर विभिन्न संगठनों ने खुशी जताई है।ताइक्वांडो में राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता और तीलू रौतेली पुरस्कार से सम्ध्मानित विशाखा साह से गत विश्व ओलंपिक दिवस पर आनलाइन प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। उन्हें प्रतियोगिता में विशेष स्थान प्राप्त हुआ। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष थामक बक ने उन्हें प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया है। कोच कमलेश तिवारी और किरन नेगी ने उनका मार्गदर्शन किया।

ग्रोफर्स लेकर आया है सबसे बड़ी ग्रॉसरी सेल ग्रैंड ऑरेंज बैग डेज का चौथा संस्करण

संवाददाता हरिद्वार। पूरे देश में लॉकडाउन के चलते अप्रत्याशित परिस्थिति के कारण पिछले 5 महिनों से ग्राहक बचत करने के मौकों से वंचित हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए भारत का सबसे बड़ा ऑनलाइन ग्रॉसरी रिटेलर ग्रोफर्स, अपनी प्रमुख सेल ग्रैंड ऑरेंज बैग डेज (जीओबीडी) के चौथे संस्करण के साथ एक बार फिर आ पहुंचा है। 9 दिनों तक चलने वाली यह सेल 8 अगस्त से शुरू हो गयी है और 16 अगस्त तक चलेगी। इस दौरान ग्राहकों के सामने बेजोड़ बचत, सबसे कम कीमतें और राष्ट्रीय ब्रांड्स के साथ–साथ ग्रोफर्स के इन–हाउस ब्रांड्स के विभिन्न प्रॉडक्ट्स पर आकर्षक ऑफर्स मिलेंगे।

रोजाना बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के मामलों ने बढ़ाई दहशत

लोग कर रहे मुख्यमंत्री से मांग कि जिले में 15 दिन के लिए लगाया जाए लाकडाउन

संवाददाता पिथौरागढ़। जिले में कोरोना संक्रमण का आंकड़ा अब बढकर दो सौ पहुंच चुका है। जिसमें वर्तमान में अस्सी केस सक्रिय है। एक सौ बीस व्यक्ति स्वस्थ होकर डिस्चार्ज किये जा चुके है। जिले में दो दिन पूर्व एक शिक्षक स्थानीय निवासी जाखनी हरीश महर की कोरोना पाजीटिव आने से मौत हो गई।

जिले में कोरोना संक्रमण के लगातार बढ़ रहे मामलों ने जिले के लोगों को दहशत में डाल दिया है। सीमांत जिले में सामाजिक संगठनों ने जिलाधिकारी के माध्यम से कलक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन करने के साथ राज्य के मुख्यमंत्री को पत्र भेजते हुए हजले में 15 दिन के लाकडाउन की मांग की है। जिले में कोरोना संक्रमण की जांच पर सवाल उठाते हुए अब तक संक्रमण वाले क्षेत्रों से आ रहे लोगों को बिना क्वारंटाइटन किये बिना घर भेजे जाने से लोगों ने खासी नाराजगी जाहिर की है। पीसीआर जांच में हो रही देरी ने भी सवाल खड़े होने शुरू हो गए है।

लोगों ने मांग की है कि जिले में रोजाना हर घर से कोरोना संक्रमण के मामले आ रहे है वही स्थानीय लोगों के कोरोना संक्रमण की चपेट में आने से जिले के लोग दहशत के साये में है। यदि उनकी मांगे पूरी नही हुई तो वे उग्र प्रदर्शन करने को बाध्य होगे।

प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा हरीश चंद्र पंत ने बताया कि जिले में बीते सांय 275 लोगों के सैपल भेजे गये है। अभी तक कुल शेष 1486 की जांच रिपोर्ट अपेक्षित है।

हमें राशन नहीं सुरक्षा चाहिए

संवाददाता मुनस्यारी। बीआरओ. जनित आपदा के कारण हर बरसात में तीन माह तक घर छोडकर स्कूलो के शरण में जाने वाले रांथी के आपदा प्रभावितो ने 12 अगस्त को कुमांयू आयुक्त को घेरने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि बी.आर.ओ किसी की नहीं सुन रहा है, इसके कारण गांव बरबाद हो गया है।

रांथी में बलौटा से आने वाले नाले को सिचांई विभाग से पक्का नाला बनाने की मांग उठी। रांथी में आज ग्राम प्रधान लवराज राम की अध्यक्षता में हुई बैठक में उक्त फैसला लिया गया। आपदा प्रभावितो ने कहा कि हमें राशन आदि मदद नहीं चाहिए। हम तो आपदा से सुरक्षा चाहते है। बीआरओ के हठध्र्मिता के चलते आज रांथी के 65 परिवारो का घर उजड़ने की कगार पर पहुंच चुके है।

जिप सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि बीआरओ किसी की नहीं सुन रहा है.इसलिए प्रशासन पर दबाव बनाया जायेगा। इसके लिए बीआरओ दफ्तर दरकोट का घेराव भी किया जायेगा।

अकेले दून अस्पताल पर ही सारा बोझ क्यों? प्राइवेट अस्पतालों में भी करें कोरोना के इलाज की व्यवस्था

संवाददाता

देहरादून। पूर्व अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग आयोग अशोक वर्मा ने कहा कि देश और उत्तराखंड के अंदर करोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए विकट स्थिति पैदा होती जा रही है और इकलौता दून अस्पताल जहां पर कोविड का इलाज किया जा रहा है की व्यवस्थाएं निरंतर दिन पर दिन चरमरा रही है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से अनुरोध है कि इस विषय को गंभीरता से लेने का कष्ट करें। उन्होंने सीएम से यह भी अनुरोध किया है कि अन्य प्राइवेट अस्पतालों में भी करोना के इलाज की व्यवस्था आवश्यक रूप से की जानी चाहिए क्योंकि अकेला दून

अशोक वर्मा।

हॉस्पिटल इसमें मददगार सिद्ध नहीं हो सकता। हालांकि हम समस्त चिकित्सकों, नर्सों एवं अन्य स्टाफ के सामने नतमस्तक हैं जो ऐसी विषम परिस्थिति में भी अपनी जान की परवाह न करते हुए सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। वर्मा ने जनता से भी अपील की है कि वह खुद को बचाने के लिए नियमों का पालन करें अन्यथा आने वाले समय में जनमानस के लिए गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है। आमतौर पर यह भी देखने में आ रहा है बहुत सारे लोग इस बात को भूल रहे हैं कि करोना जैसी भयावह बीमारी अभी गई नहीं है आज भी मौजूद है। सरकारों द्वारा समय–समय पर नियमों का पालन कराने के लिए दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं।

सरकार को और भी सख्ती अनिवार्य रूप से करनी चाहिए। क्योंकि यह फैलने वाली बीमारी है और इससे बचाव का रास्ता सोशल डिस्टेंसिंग और सैनिटाइजेशन ही है लेकिन लेकिन यह बहुत दुखद है जब बाजारों में देखा जाता है कि लोग इन नियमों को भूल रहे हैं ,जरा सी भूल सारे समाज के लिए एक बड़ी भूल के रूप में साबित हो सकती है। जनता से अनुरोध है कि खुद बचो, औरो को भी बचाओ।

हल्द्वानी में सुबह झमाझम बारिश, अल्मोड़ा के सोमेश्वर में मकान गिरा

संवाददाता हल्द्वानी। कुमाऊं में मौसम ने एक बार फिर करवट बदली है। बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनने से दक्षिण पश्चिम मानसून फिर गति पकड़ गया है। अल्मोड़ा जिले के सोमेश्वर तहसील के रौल्याणा गूंठ गांव में मकान ध्वस्त हो गया। जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया। सोमेश्वर तहसील के रौल्याणागूंठ गांव में शनिवार को मकान भरभरा कर गिर गया। बच्चों को सुरक्षित बाहर लाने की कोशिश में गृहस्वामी मलबे की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे स्वास्थ्य केंद्र कौसानी फिर उसे जिला चिकित्सालय ले जाया गया। बेहतर उपचार के उसे हल्द्वानी रेफर कर दिया गया है। रौलयाणागूंठ निवासी कैलाश राम पुत्र दनी राम अपने परिवार के साथ अपने पुराने घर में मौजूद था। खतरा भाप कैलाश ने अपनी पत्नी दीपा देवी व दो बच्चों नेहा तथा काव्या को तत्परता से सुरक्षित बाहर भिजवा दिया। मगर आखिर में जब खुद वहां से निकलने लगा तो जर्जर छत का पूरा मलबा उस पर आ गिरा। उसके हाथ व कमर में गंभीर चोट आई है।